

प्रेषक,

प्रेम सिंह खिमाल,
अपर सचिव, न्याय एवं अपर विधि परामर्शी,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिबन्धक,
मा0 उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय,
नैनीताल।

न्याय अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 26 अप्रैल, 2012

विषय- मा0 उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल में न्याय लिपिक,
संविदा/आउटसोर्सिंग के 09 पदों का नियत मानदेय में सृजन किया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र 3088/UHC/Admin.A/B/Misc/2006 दिनांक
24-06-2011 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल मा0 उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल में न्याय लिपिक के 09 पद ₹ 20,000.00/- प्रतिमाह नियत मानदेय में दिनांक 28-02-2013 तक, बशर्ते ये पद इससे पूर्व बिना किसी सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाये, संविदा/आउटसोर्सिंग पर सृजित किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3- उक्त पद धारक को मा0 न्यायालय के अधिष्ठान में नियमित रूप से कार्यरत कार्मिकों की भांति वर्तमान अनुमन्य भत्ते, सुविधायें अनुमन्य नहीं रहेंगे।

4- उक्त पदों के सृजन के फलस्वरूप नियुक्ति होने के उपरान्त होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या 04 के लेखाशीर्षक "2014 न्याय प्रशासन-00-आयोजनेत्तर-102 उच्च न्यायालय-03 उच्च न्यायालय-00-की सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0- 08 NP/XXVII(5)/2012 दिनांक 26-04-2012 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(प्रेम सिंह खिमाल)
अपर सचिव

संख्या- 91 / XXXVI(1)/2012-234/2001 तदुदिनांकित

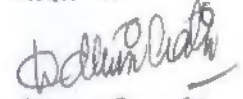
प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, ओबराय भवन, माजरा देहरादून।

क्रमशः.....2

- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
- 3- वित्त अनुभाग-5 / कार्मिक अनुभाग / एन0आई0सी0 / गार्ड फाईल।

आज्ञा से



(धर्मेन्द्र सिंह अधिकारी)
संयुक्त सचिव